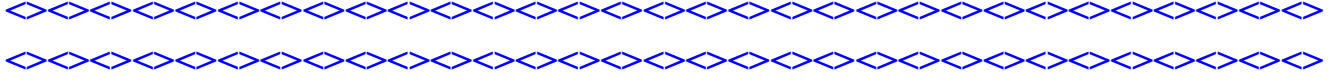


प्रसार भारती
प्रादेशिक समाचार एकांश
आकाशवाणी रायपुर (छत्तीसगढ़)
प्रादेशिक समाचार बुलेटिन

18.45 शनिवार

दिनांक 07.02.2026



और अब पेश है आज के मुख्य समाचार:—

- 1— प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, भारत और अमरीका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते का फ्रेमवर्क दोनों देशों के बीच संबंधों की गहराई, विश्वास और गतिशीलता को दर्शाता है।
- 2— राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जगदलपुर में बस्तर पंडुम का किया शुभारंभ—कहा कि यह आयोजन आदिवासियों की गौरवशाली संस्कृति का जीवंत प्रतिबिंब है।
- 3— बीजापुर और सुकमा जिले में आज इंक्यावन माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया—इन पर कुल एक करोड़ इकसठ लाख रुपये का इनाम घोषित था।
- 4— केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ के तीन दिवसीय प्रवास पर आज रायपुर पहुंचे—श्री शाह रायपुर में आंतरिक सुरक्षा, वामपंथी उग्रवाद की समीक्षा करने के साथ ही जगदलपुर में बस्तर पंडुम के समापन समारोह में होंगे शामिल।

प्रधानमंत्री—व्यापार समझौता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत और अमरीका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते के फ्रेमवर्क को सुखद खबर बताया है। उन्होंने दोनों देशों के बीच संबंधों की प्रगाढ़ता के प्रति व्यक्तिगत प्रतिबद्धता के लिए अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को धन्यवाद दिया है। सोशल मीडिया पोस्ट में श्री मोदी ने कहा कि यह फ्रेमवर्क भारत—अमरीका साझेदारी की गहराई, विश्वास और गतिशीलता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह भारत के

मेहनती किसानों, उद्यमियों, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों, स्टार्टअप नवप्रवर्तकों, मछुआरों और अन्य लोगों के लिए नए अवसर खोलकर 'मेक इन इंडिया' को मजबूती देगा। श्री मोदी ने कहा कि इससे महिलाओं और युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

वहीं, केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने दिल्ली में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस समझौते से नए अवसर खुलेंगे। श्री गोयल ने कहा कि दोनों देशों के बीच पांच सौ अरब डॉलर व्यापार का लक्ष्य है।

फरवरी 2025 में चर्चा शुरू की थी इस उद्देश्य के साथ कि भारत और यूनाइटेड स्टेट्स पांच सौ बिलियन डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हर वर्ष होना चाहिए। उस लक्ष्य को हासिल करने के लिए आज का दिन स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाए।

इस बीच, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौता भारत की वैश्विक आर्थिक साख और सामर्थ्य को और अधिक मजबूत करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि इस समझौते से छत्तीसगढ़ के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को अमेरिकी बाजार तक नई पहुंच मिलेगी। विशेष रूप से राज्य के वन आधारित उत्पाद हाथकरघा, हस्तशिल्प, वस्त्र और कृषि आधारित उत्पादों के लिए निर्यात, निवेश और रोजगार के नये अवसर सृजित होंगे।

बस्तर पंडुम-शुभारंभ-01

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज जगदलपुर में संभाग स्तरीय 'बस्तर पंडुम' महोत्सव का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि आदिवासियों की संस्कृति में छत्तीसगढ़ की आत्मा बसती है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ ऐसा राज्य है, जहां सरकार अपनी संस्कृति, जनजातीय परंपराओं और प्राचीन विरासतों को संरक्षित करने के लिए बस्तर पंडुम जैसे आयोजन कर रही है। यह आयोजन आदिवासियों की गौरवशाली संस्कृति का जीवंत प्रतिबिंब है।

राष्ट्रपति ने कहा कि बस्तर का इलाका पिछले चार दशकों से माओवाद की समस्या से ग्रसित रहा है। इससे सबसे ज्यादा नुकसान क्षेत्र के आदिवासियों, युवाओं और दलितों को उठाना पड़ा है।

राष्ट्रपति ने हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटने वालों की सराहना करते हुए कहा कि वे लोकतंत्र में आस्था रखें। राष्ट्रपति ने कहा कि राज्य सरकार आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के पुनर्वास के लिए अनेक विकास और कल्याणकारी योजनाएं चला रही है।

बस्तर पंडुम—शुभारंभ—02

समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि बस्तर पंडुम जनजातीय लोक संस्कृति का उत्सव है। इस प्रकार के आयोजन आदिवासी संस्कृति और परंपराओं को नई पीढ़ी से जोड़ने का सशक्त माध्यम है।

वहीं, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि बस्तर पंडुम केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि जनजातीय समाज के जीवन, आस्था, बोली—भाषा, नृत्य, गीत, वेशभूषा, खान—पान और जीवन दर्शन का जीवंत प्रतिबिंब है। श्री साय ने कहा कि एक समय बस्तर को नक्सलवाद और हिंसा के लिए जाना जाता था। लेकिन, आज डर की जगह भरोसे ने और हिंसा की जगह विकास ने ले ली है।

शुभारंभ समारोह के दौरान अबूझमाड़ इलाके के बच्चों ने राष्ट्रपति के सामने मलखंभ की अद्भुत प्रस्तुति दी। इस दौरान इन नन्हें कलाकारों ने लकड़ी के खम्भे पर असाधारण संतुलन, फुर्ती और कठिन करतबों का प्रदर्शन किया।

गौरतलब है कि बस्तर पंडुम महोत्सव के तहत संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन आज से शुरू हो गया है, जो नौ फरवरी तक चलेगा। इस दौरान चौरासी दलों के सात सौ से अधिक कलाकार सांस्कृतिक

विधाओं में प्रस्तुति देंगे। इनमें जनजातीय नृत्य, हस्तशिल्प, पारंपरिक जनजातीय व्यंजन और वाद्ययंत्रों जैसी प्रस्तुतियां शामिल होंगी।

इससे पहले, राष्ट्रपति ने जनजातीय परंपराओं पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न स्टॉलों का भ्रमण कर वहां मौजूद स्थानीय निवासियों और कारीगरों से प्रदर्शित कलाओं और उत्पादों की जानकारी ली।

माओवादी-आत्मसमर्पण

बीजापुर और सुकमा जिले में आज इंक्यावन माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। इन माओवादियों पर कुल एक करोड़ इकसठ लाख रुपये का इनाम घोषित था।

मिली जानकारी के अनुसार बीजापुर जिले में दक्षिण सब जोनल ब्यूरो के बीस महिला सहित तीस माओवादियों ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल-सीआरपीएफ के उप पुलिस महानिरीक्षक बी.एस. नेगी और जिले के पुलिस अधीक्षक डॉक्टर जितेन्द्र कुमार यादव के समक्ष समाज की मुख्यधारा में शामिल होने का फैसला लिया। इनमें एसीएम, डीएकेएमएस और केएएमएस तथा जनताना सरकार के अध्यक्ष शामिल हैं। इन माओवादियों पर पचासी लाख रुपये का इनाम घोषित था।

उप पुलिस महानिरीक्षक बी.एस. नेगी ने बचे हुए माओवादियों से समाज की मुख्यधारा में लौटने की अपील की।

इस बीच, सुकमा जिले में छिहत्तर लाख रुपये के इनामी इक्कीस माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। इन माओवादियों ने बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. और जिले के पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण तथा सीआरपीएफ के डीआईजी आनंद सिंह राजपुरोहित के समक्ष आत्मसमर्पण किया। इस दौरान इन माओवादियों ने एके-फोर्टी सेवन, एसएलआर और बैरेल ग्रेनेड लॉन्चर सहित अन्य ऑटोमैटिक हथियार भी सौंपे। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों को राज्य सरकार की पुनर्वास योजना के तहत प्रोत्साहन स्वरूप पचास-पचास हजार रुपये की तात्कालिक आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

उधर, कांकेर जिले में सुरक्षा बलों की टीम ने नारायणपुर की सीमा पर परतापुर थाना क्षेत्र के मुरुलनापा जंगल में माओवादियों द्वारा लगाए गए दो प्रेशर कूकर और एक बाटल आईईडी बरामद किया है, जिसे बम निरोधक दस्ते ने मौके पर ही निष्क्रिय कर दिया।

अमित शाह-छत्तीसगढ़

केन्द्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ के तीन दिवसीय प्रवास पर आज रायपुर पहुंचे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने माना विमानतल पर श्री शाह का स्वागत किया। अपने प्रवास के दौरान श्री शाह राज्य में आंतरिक सुरक्षा, वामपंथी उग्रवाद की समीक्षा करने के साथ ही विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार श्री शाह आज देर शाम रायपुर में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक करेंगे, जिसमें राज्य से जुड़े विभिन्न प्रशासनिक और सुरक्षा विषयों पर चर्चा की जाएगी। कल आठ फरवरी को श्री शाह रायपुर में वामपंथी उग्रवाद पर एक उच्चस्तरीय सुरक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक में केंद्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी तथा सुरक्षा एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसी दिन केन्द्रीय गृह मंत्री राष्ट्रीय कॉन्क्लेव 'छत्तीसगढ़ एट द रेट ट्वेंटी फाइव : शिपिंग द लेंस' में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

वहीं, श्री शाह नौ फरवरी को जगदलपुर में आयोजित बस्तर पंडुम महोत्सव के समापन कार्यक्रम में शामिल होंगे।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया पर जारी अपने संदेश में कहा है कि इकतीस मार्च दो हजार छब्बीस तक नक्सलवाद से देश को पूरी तरह मुक्त करने के संकल्प को पूरा करने की दिशा में हम सफलता की ओर अग्रसर हैं।

कांग्रेस-घेराव

मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत जिला मुख्यालय बलरामपुर में आज कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया। इस दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच झूमाझटकी भी हुई। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष हरिहर प्रसाद यादव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा।

.....

संक्षिप्त समाचार

और अब कुछ समाचार संक्षेप में ...

- उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कल बस्तर के कुम्हड़ाकोट में निर्मित जनजातीय गौरव वाटिका का लोकार्पण किया।
- छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण-रेरा ने राज्य में रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता और वित्तीय अनुशासन के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में पहल करते हुए चौदह बैंकों को अंतिम पैनल में शामिल किया है।
- राज्य के सामान्य प्रशासन विभाग ने आई-जीओटी कर्मयोगी प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया है। कार्यक्रम की शुरुआत संभाग और जिला स्तर पर नौ फरवरी को रायपुर से होगी।

